आईआईएमए में ईपीजीडी-एबीए के दीक्षांत समारोह में 41 छात्रों को डिप्लोमा प्रदान किया गया

~ रिलायंस जियो के मुख्य एआई वैज्ञानिक डॉ. गौरव अग्रवाल ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर समारोह की शोभावृद्धि की।

~ डॉ. अग्रवाल ने छात्रों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को राष्ट्र निर्माण के एक टूल के तौर पर देखने का आग्रह किया और उन्हें देश की समस्याओं को हल करने के लिए अपनी स्किल्स का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया।

~ आईआईएमए का ईपीजीडी-एबीए एक 16 महीने का पाठ्यक्रम है जो मिश्रित मोड में दिया जाता है और इसे कार्यरत व्यवसायियों के लिए डिज़ाइन किया गया है।

28 जनवरी, 2026: आज भारतीय प्रबंध अहमदाबाद (आईआईएमए) में दीक्षांत समारोह के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कुल 41 छात्रों को उन्नत व्यवसाय विश्लेषिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (ईपीजीडी-एबीए) प्रदान किया गया।

रिलायंस जियो के मुख्य एआई वैज्ञानिक डॉ. गौरव अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के तौर पर इस अवसर पर उपस्थित रहकर शोभावृद्धि की।मुख्य अतिथि के साथ मंचासीन में आईआईएमए के निदेशक प्रोफेसर भारत भास्कर; प्रोफेसर दीप्तेश घोष, डीन (प्रोग्राम्स); प्रोफेसर अनिंद्य चक्रवर्ती, प्रोग्राम चेयर; और संस्थान के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। प्रोफेसर भास्कर ने उत्तीर्ण छात्रों को डिप्लोमा प्रदान किए।

आईआईएमए द्वारा पेश किया गया ईपीजीडी-एबीए, 16 महीने का डिप्लोमा पाठ्यक्रम है, जिसे खास तौर पर कार्यरत व्यवसायियों को डेटा विश्लेषण करने और ज़रूरी जानकारी निकालने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, ताकि वे असरदार प्रबंधकीय और व्यवसाय निर्णय ले सकें। यह पाठ्यक्रम मिश्रित मोड में पेश किया जाता है, जिसमें विश्लेषिकी उपकरण, मशीन लर्निंग, क्लाउड कंप्यूटिंग और डोमेन एप्लीकेशन के कोर्स शामिल हैं।

ईपीजीडी-एबीए 2024-25 बैच में अलग-अलग व्यावसायिक पृष्ठभूमि और डोमेन के प्रतिभागी शामिल हैं, जैसे परामर्श; खुदरा/ई-कॉमर्स; विज्ञापन; टेलीकॉम; बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ एवं बीमा; एफ़एमसीजी; आईटी; और विनिर्माण; और अन्य। स्नातक हो रहे छात्र अब आईआईएमए के प्रतिष्ठित पूर्वछात्र समूह का हिस्सा बनेंगे।

दीक्षांत समारोह में भाषण देते हुए, रिलायंस जियो के मुख्य एआई वैज्ञानिक डॉ. गौरव अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश के एक छोटे शहर से रिलायंस जियो में एआई प्रमुख बनने तक के अपने सफर के बारे में बताया।उन्होंने "हेडलाइट्स फिलॉसफी" के बारे में बताया और उन्होंने समझाया कि जब किसी के लंबे करियर की दिशा के बारे में जानकारी कम हो जाती है, तो कोई भी तुरंत उठाए जाने वाले कदम पर ध्यान केंद्रित करके आगे बढ़ते हुए काफ़ी तरक्की कर सकता है, जिससे समय के साथ सफलता मिलती है।अनिश्चित भविष्य का सामना करने के लिए तीन मुख्य सिद्धांतों के

बारे में बताते हुए, उन्होंने सबसे पहले स्नातकों को सलाह दी कि वे बहुत ज्यादा भविष्यवाणी करने से बचें और इसके बजाय तेजी से बदलती दुनिया में फुर्ती और बदलाव के लिए तैयार रहने पर ध्यान दें।दूसरा, उन्होंने अपने काम पर ध्यान देने के महत्व पर ज़ोर दिया और अलग-अलग क्षेत्रों के स्नातकों को अपने काम में गहराई से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।आखिर में, उन्होंने उनसे कहा कि वे अपनी यात्रा में अनिश्चितता को अपनाएं और भविष्य की अस्पष्टता को अपने वर्तमान के फायदे को कमजोर न करने दें।

डॉ. अग्रवाल ने छात्रों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को राष्ट्र निर्माण के एक टूल के तौर पर देखने का भी आग्रह किया।उन्होंने कहा, "हम अभी इंसानी इतिहास में तकनीक के सबसे रोमांचक दौर में हैं।लेकिन भारत से ज़्यादा रोमांचक जगह और कहीं नहीं है।आप आईआईएमए से स्नातक हो रहे हैं, आपके पास दुनिया का सबसे अच्छा विश्लेषणात्मक टूलकिट है।लेकिन सिर्फ़ क्लिक-थ्रू दरों को अनुकूलित करने के लिए अपने कौशल का इस्तेमाल न करें सिर्फ़ अमीरों को और अमीर बनाने के लिए अपने कौशल का इस्तेमाल न करें।भारत में अपने आस-पास की समस्याओं को देखें।वे अव्यवस्थित हैं, वे अस्पष्ट हैं, लेकिन वे ही ऐसी समस्याएं हैं जिन्हें हल करना ज़रूरी है"।

आखिरी भाषण देते हुए, आईआईएमए के निदेशक, प्रोफेसर भारत भास्कर ने भारत में डेटा विश्लेषिकी व्यवसायियों की बढ़ती मांग और डेटा का समझदारी से इस्तेमाल करने की ज़िम्मेदारी पर ज़ोर दिया।टेक्नोलॉजी से आगे विश्लेषिकी की बड़ी भूमिका पर ज़ोर देते हुए उन्होंने कहा, "वैश्विक और घरेलू संगठन भारत में विश्लेषिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में काफ़ी निवेश कर रहे हैं। अलग-अलग क्षेत्र की कंपनियाँ दक्षता सुधारने, जोखिम को प्रबंधित करने, सेवाओं को व्यक्तिगत करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विश्लेषिकी पर भरोसा कर रही हैं।लेकिन आपको यह भी ध्यान रखना होगा कि विश्लेषिकी सिर्फ़ नंबर्स और एल्गोरिदम के बारे में नहीं है; यह लोगों के बारे में भी है।यह इंसानी व्यवहार को समझने, ज़रूरतों का अंदाज़ा लगाने और ज़िंदगी को बेहतर बनाने वाले सॉल्यूशन डिज़ाइन करने के बारे में है।इसलिए, जैसे-जैसे आप आगे बढ़ेंगे, मैं आपसे दक्षता और संवेदना को संतुलित करने और हमेशा नैतिकता को अपना मार्गदर्शक कम्पास बनाए रखने का आग्रह करूँगा।यह डिप्लोमा अंतिम बिंदु नहीं है, बल्कि ज़िंदगी भर सीखने के लिए एक मज़बूत नींव है"।

###

आईआईएम अहमदाबाद के बारे में:

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) एक प्रमुख वैश्विक प्रबंध संस्थान है जो प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभाता है। अपने अस्तित्व के छह दशकों से अधिक के समय में, संस्थान ने अपनी विशिष्ट शिक्षण पद्धति, उच्च गुणवत्ता वाले शोध, भावी नेताओं को तैयार करने, उद्योग, सरकार और सामाजिक उद्यमों को समर्थन देने और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने के माध्यम से शिक्षा, व्यवहार और नीति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पहचान हासिल की है।

आईआईएमए की स्थापना 1961 में सरकार, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा जगत के एक अभिनव प्रयास के रूप में की गई थी। तब से, इसने अपने वैश्विक प्रभाव को मजबूत किया है और आज इसके 80 से अधिक शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ नेटवर्क है और दुबई में भी इसकी शाखा है। इसके जाने-माने फैकल्टी सदस्य और लगभग 46,000 पूर्व छात्र, जो जीवन के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पदों पर हैं, इसके वैश्विक पहचान में योगदान देते हैं। वर्षों से, आईआईएमए के शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट, बाजार-उन्मुख और सामाजिक रूप से प्रभावशाली पाठ्यक्रम दुनिया भर में एक उच्च प्रतिष्ठा और प्रशंसा अर्जित कर चुके हैं। यह इक्विस से अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संस्थान बन गया। यह संस्थान भारत सरकार के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क - नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ़) के भारत रैंकिंग 2025 में भी पहले स्थान पर है। फाइनेंशियल

टाइम्स (एफ़टी) एग्जीक्यूटिव एजुकेशन (मुक्त) रैंकिंग 2025 में संस्थान को दुनिया भर में 35वाँ स्थान मिला है। इसके प्रसिद्ध दो-वर्षीय प्रबंधन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (पीजीपी) को एफ़टी मास्टर्स इन मैनेजमेंट रैंकिंग 2024 में 39वाँ स्थान मिला है और एक-वर्षीय प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर पूर्णकालीन पाठ्यक्रम (एमबीए-पीजीपीएक्स) को एफ़टी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2025 में 31वाँ स्थान मिला है।

आईआईएमए व्यवसायिक सलाह सेवाएँ और 200 से अधिक चयनित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम प्रदान करता है, जो विभिन्न प्रकार के लोगों के लिए हैं, जिनमें व्यवसायी अग्रणी, नीति निर्माता, उद्योग व्यवसायी, शिक्षाविद, सरकारी अधिकारी, सशस्त्र सेना बल कर्मी, कृषि व्यवसाय और अन्य विशिष्ट क्षेत्र के विशेषज्ञ तथा उद्यमी शामिल हैं। ये कार्यक्रम अनुकूलित, मिश्रित और मुक्त नामांकन प्रारूप में उपलब्ध हैं।

संस्थान के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया देखें: https://www.iima.ac.in/

मीडिया संबंधी प्रश्नों के लिए कृपया संपर्क करें:
सुश्री शिवांगी भट्ट | manager-comm@iima.ac.in
सुश्री सौम्या मिश्रा | pr@iima.ac.in 9570664488

……
…..